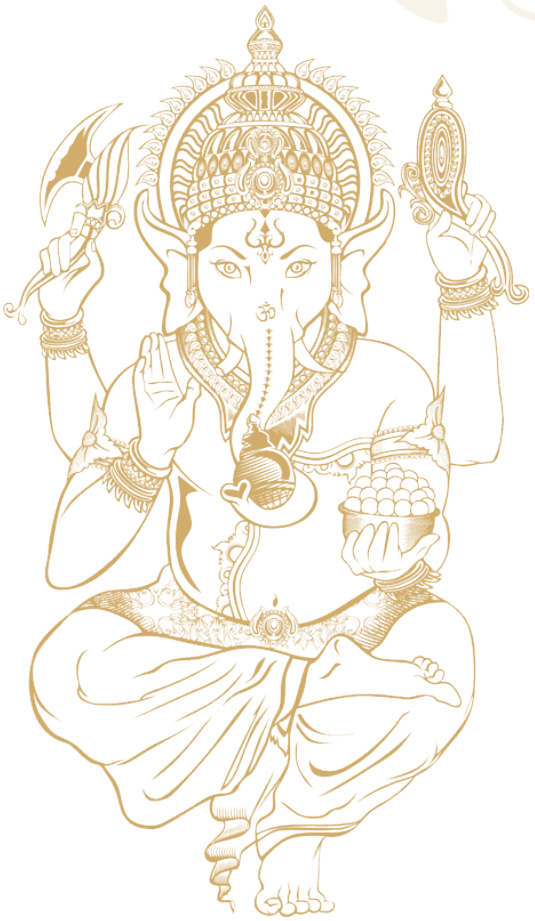

Uniyal ji

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121145904

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
28/11/1993 :	जन्म तिथि	: 04/08/2001
रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 10:53:00 :	जन्म समय	: 22:55:00 घंटे
घटी 10:00:49 :	जन्म समय(घटी)	: 43:17:05 घटी
India :	देश	: India
Tehri Garhwal :	स्थान	: Rajpura
30:21:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:29:00 उत्तर
78:29:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:04 :	स्थानिक संस्कार	: -00:23:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:52:40 :	सूर्योदय	: 05:43:12
17:15:19 :	सूर्यास्त	: 19:15:06
23:46:33 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:30

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 3मा 25दि		08:12:53	मक	लग्न	मेष	06:24:20	मंगल 6वर्ष 9मा 13दि	
राहु		12:13:07	वृश्चि	सूर्य	कर्क	18:30:48	राहु	
25/03/2015		00:24:11	वृष	चंद्र	मक	23:44:15	19/05/2008	
24/03/2033		20:00:30	वृश्चि	मंगल	वृश्चि	22:55:57	19/05/2026	
राहु	05/12/2017	23:35:46	तुला	बुध	कर्क	17:11:33	राहु	30/01/2011
गुरु	29/04/2020	09:55:17	तुला	गुरु	मिथु	10:59:13	गुरु	24/06/2013
शनि	06/03/2023	00:13:42	वृश्चि	शुक्र	मिथु	09:49:16	शनि	30/04/2016
बुध	23/09/2025	00:40:47	कुंभ	शनि	वृष	18:39:58	बुध	18/11/2018
केतु	11/10/2026	09:16:35	वृश्चि	राहु व	मिथु	12:06:46	केतु	06/12/2019
शुक्र	11/10/2029	09:16:35	वृष	केतु व	धनु	12:06:46	शुक्र	06/12/2022
सूर्य	05/09/2030	25:59:29	धनु	हर्ष व	मक	29:24:56	सूर्य	31/10/2023
चन्द्र	06/03/2032	25:31:37	धनु	नेप व	मक	13:21:51	चन्द्र	01/05/2025
मंगल	24/03/2033	02:04:10	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:45:37	मंगल	19/05/2026

लग्न-चलित

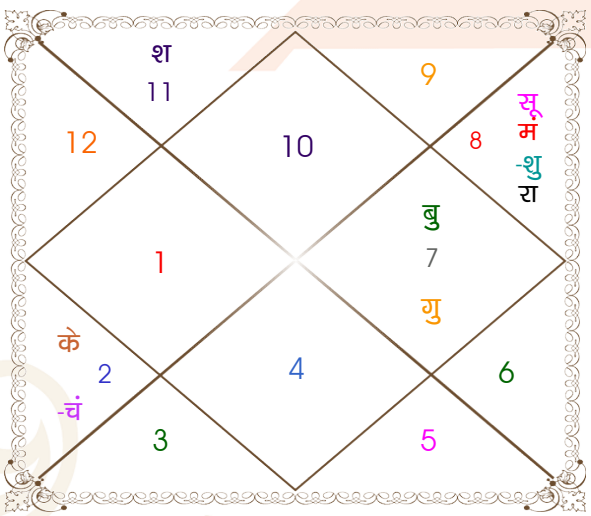

लग्न-चलित

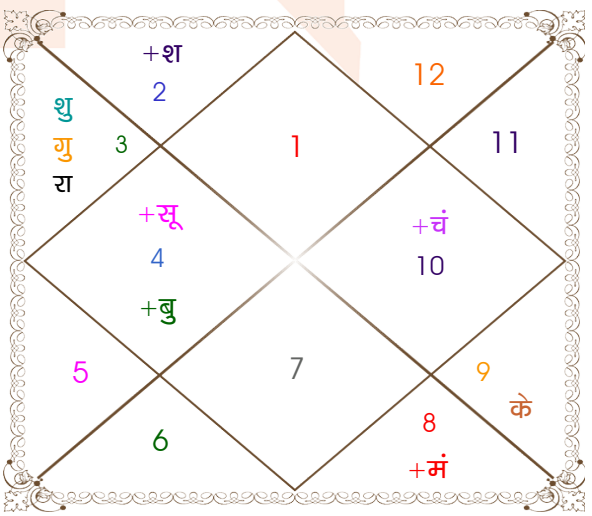

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Uniyal ji का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Uniyal ji और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Uniyal ji मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Uniyal ji कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Uniyal ji तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।